IJARSCT

ISSN (Online) 2581-9429

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

Impact Factor: 7.53

Volume 4, Issue 2, December 2024

रीवा जिले में महिला भिक्षुकों आर्थिक स्थिति का अध्ययन

डॉ. के.के. शर्मा
शोध निर्देशक
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय,
जिला–रीवा (म.प्र.)

रजनी द्विवेदी
शोधार्थी
एम.ए., एम. फिल (समाजशास्त्र)
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय,
जिला–रीवा (म.प्र.)

शोध–सारांश :–

प्रस्तुत शोध पत्र में महिला भिक्षुओं के जीवन के संचालन के लिए सबसे महत्वपूर्ण साधन आर्थिक उपलब्धता के आयोमों पर चिंतन किया गया है। जब तक किसी व्यक्ति के पास जब तक जीवकोपार्जन के लिए आर्थिक संसाधन नहीं होते, उनका जीवन निराशामय और कष्टप्रद रहता है। भौतिक जगत में ऐसी कोई भी वस्तु नहीं है, जो बिना मुद्रा के विनिमय होती हो। इस तरह धन ही व मानक है जिससे जीवकोपार्जन एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं जिनका उपयोग रहन–सहन, स्वास्थ्य–सेवा, शिक्षा एवं संसाधन के क्रय हेतु प्रभावी होता है। समय के साथ आर्थिक उपलब्धता के कारक बदलते रहते हैं, पर मुद्रा एक ऐसी इकाई है जो किसी–न–किसी रूप में हर समय बनी रही है।

मुख्य शब्दः महिला, भिक्षुओं, आर्थिक, जीवकोपार्जन, निराशामय, रहन–सहन, शिक्षा एवं संसाधन, कारक, अध्ययन इत्यादि।